वर्ष : 9 • अंक : 33 • जुलाई–सितम्बर 2022 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

रूपेश कुमार चौहान
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
द्वारा 47, ब्लॉक ए–3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली–43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।
दूरभाष संख्या–09555222747, 9267944100, 9555666907
Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vsirj.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्‌भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण निःशुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**
* **शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

संरक्षक :

प्रो. मदन मोहन अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष,
संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. दलवीर सिंह चौहान
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग,
मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार

प्रो. राजवीर शर्मा
पूर्व उपाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग,
आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• **Mrs Kirthee Devi Ramjatton**
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747
www.vsirj.com

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. देवेन्द्र नाथ ओझा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज, एण्ड रिसर्च, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, नोएडा)
- **डॉ. राजमोहिनी सागर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. के.के. झा**
(सीनियर लेक्चरर, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-कार्य, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)
- **डॉ. कुमारी शुभ्रा**
(प्रख्यात लेखिका एवं साहित्यकार, दिल्ली)
- **डॉ. लालजी**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय .... *viii*

भारतीयविवाहसंस्था:-वैशिष्ट्यं प्रभेदाश्च 1

प्रो. ब्रजेशकुमारपाण्डेय:

समकालीन भारतीय राजनीति का संकट 7

ममता कुमारी यादव

रेणु के कहानियों की जमीन 13

डॉ. अरविन्द कुमार सम्बल

संस्कृति : अतीत, परम्परा और आधुनिकता 20

अवनीश प्रकाश सिंह

1942 में बलिया की 'अगस्त क्रांति' 25

डॉ. दीपेन्द्र कुमार सिंह ....

प्राचीन भारतीय राज-व्यवस्था में मानवाधिकारों का स्वरूप एवं प्रबन्ध 31

मनीष शर्मा

महात्मा गाँधी के अछूतोद्धार संबंधी विचारों का हिंदी सिनेमा पर प्रभाव 36

नीरज कुमार

ममता कालिया के उपन्यासों में व्यक्त दाम्पत्य-जीवन 43

सुनीता यादव

स्तोत्र काव्य-परम्परा में शैवाष्टक स्तोत्र काव्य..... 46

हेमन्त शर्मा/डॉ० सुनीता सैनी

गर्भोपनिषदि सन्तानोत्पत्तेः वैज्ञानिकी अवधारणा ... 53

विभाकरकुमारदीक्षित:/प्रो. डी.एस. तिवारी

कबीर का वैज्ञानिक दृष्टिकोण.......................... 60

रवि

रामचरितमानस : कर्मप्रधानता का महाकाव्य...... 66

अमन कुमार

भूमंडलीकृत नई जीवनशैली के वाहक : टी.वी. धारावाहिकों से ओटीटी तक 72

डॉ. प्रेमप्रकाश मीणा

बाढ़ थम गयी थी! 76

डॉ. चागंटि तुलसी

गुप्तचर प्रणाली की अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में....... 81 भूमिका (शुक्रनीति एवं अर्थशास्त्र के संदर्भ में)

डॉ. प्रतिभा शास्त्री

कामायनी : चिंता और श्रद्धा सर्गों का विवेचन.... 85

रेणु बाला

जनवादी राष्ट्र का स्वप्न और शिवदान सिंह चौहान का साहित्य चिंतन 89

कन्हैया लाल यादव

छायावाद से स्वच्छंदतावाद 94

डॉ. आरती सिंह

अस्मिता मूलक विमर्श और कामायनी 98

डॉ. भारती

कथाकार प्रज्ञा के साहित्य में नगरीय बस्ती जीवन की व्यथा 102

अविनाश सिंह

विद्यानिवास मिश्र के निबंधों में अभिव्यक्त भारतीय संस्कृति 108

साधना गुप्ता

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास 112

सुनील जी

हिंदी कविता में परिमल की भूमिका 118

डॉ. कपिलदेव प्रसाद निषाद

लक्ष्मीनारायण लाल की नाट्य-संवेदना में मिथक की रचनात्मक भूमिका 123

प्रमिला

इक्कीसवीं सदी के उपन्यासों में पहाड़ का जीवन संघर्ष 128

खीमानन्द बिनवाल

भारत में महिला पुलिस : वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ 133

डॉ. शशिकांत

डॉ. रामकुमार वर्मा की कवित्व प्रतिभा का मूल्यांकन.. 136

पंकज कुमार सिंह

वस्तु में तब्दील होती स्त्री 'एक जमीन अपनी' उपन्यास के संदर्भ में 140

मनीषा चौधरी

अमीर खुसरो : एक अध्ययन.......................... 143

डॉ. धनंजय कुमार

भूमंडलीकरण का स्त्री जीवन पर प्रभाव 147
विद्याराम मीना
आधुनिक हिंदी कहानियों में विकलांग पात्रों की विविध समस्याएं 150
महेश कुमार
समकालीन हिंदी कहानी में उभरती वृद्ध समस्याएं ... 156
रीना मीणा
महिला सशक्तिकरण के बहुआयाम 160
डॉ. पूनम डागर
लोक साहित्य की अवधारणा और महत्व 165
शरद दुबे
सर्वोदय का दर्शन एवं आकांक्षी जिला परियोजना : सामाजिक उत्थान की एक किरण 169
विमलोक तिवारी
कृष्णमिश्र एक वैशेषिक दार्शनिक एवं उनका परिचय 173
धनञ्जय कुमार
स्वामी विवेकानन्द की वैदान्तिक दृष्टि 179
सतीश कुमार मिश्र
हिन्दी आलोचना और उत्तर छायावाद 183
डॉ. ज्ञान प्रकाश
आत्मानुभूति, वैयक्तिक, वस्तुनिष्ठ 188
डॉ. रोज़ी
आधुनिक समाज और आषाढ़ का एक दिन 191
विवेक कुमार त्रिपाठी
नारी सशक्तिकरण की भारतीय परम्परा 195
डॉ. दीपा मलिक
लोकगाथा एवं उत्पत्ति की परंपरा 198
डॉ. वीरेन्द्र कुमार दत्ता
उपेक्षितों का समाजशास्त्र और प्रेमसिंह की रचनाएँ 203
डॉ. संजय कुमार सेठ
शब्दालङ्काराणां पौर्वापर्यविमर्शः 212
डॉ. कामेश्वर शुक्लः

सम्पादकीय

शून्य से सत्ता के शिखर पर पहुंचने का इतिहास रचने का श्रेय किसी को जाता है तो वह है देश की 15वीं राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू। राष्ट्र जीवन में ऐसी असाधारण उपलब्धि करोड़ों भारतीय को प्रेरित करने वाली है। उन्होंने 25 जुलाई को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद संसद के केन्द्रीय कक्ष में दिए अपने पहले संबोधन में कहा कि वह ऐसे महत्वपूर्ण कालखण्ड में राष्ट्रपति चुनी गई हैं जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। गौरतलब है कि महामहिम राष्ट्रपति आदिवासी समुदाय से पहली राष्ट्रपति बनी हैं। सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल थीं। इसके साथ द्रौपदी मूर्मू पहली राष्ट्रपति हैं जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ और सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति भी बनी हैं। झारखंड की पहली महिला और आदिवासी राज्यपाल रह चुकी हैं। देश की लगभग 11 करोड़ आदिवासी जनसंख्या के प्रतिनिधि के रूप में सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाली पहली महिला द्रौपदी मुर्मू संथाल समाज से आती हैं जिसकी कुल जनसंख्या मात्र 90 लाख है। ओडिशा के सुदूरवर्ती आदिवासी क्षेत्र रायरंगपुर से राष्ट्रपति भवन का सफर बहुत ही झंझावातों से भरा हुआ रहा है। द्रौपदी मूर्मु के दो बेटे और दो बेटी हुई थीं, 2009 में उनके बेटे लक्ष्मण मुर्मु की मृत्यु हो गई। दूसरा बेटे की भी सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। चार साल में दोनों युवा बेटों को खोने के बाद वह पूरी तरह से टूट गई थीं। इसी बीच 2014 में द्रौपदी मूर्मु के पति श्री श्यामाचरण मूर्मु की भी मौत हो गई।

हर मनुष्य के हिस्से में संघर्ष होता है, हर किसी को इससे झेलना होता है। किसी के हिस्से में कम होता है तो किसी के हिस्से में ज्यादा होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु की संघर्ष गाथा करोड़ों भारतवासियों के लिए एक मिशाल है। आदिवासी समाज में जन्म लेने के बाद शिक्षा ग्रहण करना, फिर अपनी मर्जी से शादी करना, राजनीति में आना, विधायक बनना, मंत्री बनना, राज्यपाल बनना और राज्यपाल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद फिर से अपने गांव में चले जाना। उसके बाद स्वयं राष्ट्रपति महोदया ने भी यह नहीं सोचा था कि अचानक राष्ट्रपति उम्मीदवार और फिर राष्ट्रपति बन जाएगी। यह ऊपर वाले की लीला है। राजनीति में आने से पहले एक शिक्षक के रूप में उन्होंने अध्यापन का कार्य भी किया है। उसके बाद सिंचाई और बिजली विभाग में भी जूनियर असिस्टेंट के रूप में काम किया। 1997 में पहली बार पार्षद चुनी गई। 2000 में विधायक चुने जाने के बाद बीजू जनता दल और भाजपा की गठबंधन सरकार में स्वतंत्र प्रभार की मंत्री भी बनी थीं। 2009 में लोकसभा चुनाव हार गई और फिर से विधायक बनी। 2015 से 2021 तक झारखंड की राज्यपाल भी रही। इस तरह कहा जा सकता है कि गांव, गरीब, वंचितों के साथ साथ झुग्गी-झोपड़ी में भी लोक कल्याण के लिए हमेशा तत्पर और सक्रिय रहने वाली अब उनके बीच से निकल कर राष्ट्रपति मुर्मू सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचीं। **वाक् सुधा परिवार** की तरफ से महामहिम राष्ट्रपति जी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक अभिनन्दन।

इस बीच सालों बाद दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया तमाम तरह के अटकाने, लटकाने, भटकाने के बाद भी शुरू हुई है। यह हम सबके लिए बहुत ही संतोष का विषय है। इस नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लेने के लिए दर्जनों युवा वर्ग के शोधकर्ताओं ने शोधपत्र लेखन का प्रयास किया है। अधिकांश प्रयास अभिनन्दन के योग्य हैं। इस अंक में आधा दर्जन से अधिक ऐसे युवाओं के आलेख प्रकाशित किए गए हैं जिन्होंने पहली बार शोध-पत्र लिखा है। उन युवा शोधकर्ताओं को आप सब भी प्रोत्साहित करें। अगले अंक के लिए आलेख आमंत्रित हैं।

डॉ. राजेश कुमार
उपसम्पादक

Peer Reviewed Refereed Journal • ISSN : 2347-6605